

**कैरट** पुं. (अं.) साढ़े तीन ग्रेन की एक तौल 2. एक प्रकार का मान जिससे सोने की शुद्धता और उसमें दिए हुए मेल का हिसाब जाना जाता है।

**कैरव** पुं. (तत्.) 1. कुमुद 2. सफेद कमल 3. शत्रु 4. जुआरी।

**कैरवबंधु** पुं. (तत्.) चंद्रमा, निशाकर।

**कैरविनी** स्त्री. (तत्.) 1. कुमुदयुक्त वापी 2. कुमुद पुष्पों का समूह।

**कैरवी** पुं. (तत्.) चंद्रमा स्त्री. (तत्.) 1. चाँदनी रात 2. मेथी।

**कैरा** पुं. (तद्.) 1. भूरा रंग 2. वह सफेदी जिसमें ललाई की आभा हो 3. रंग के भेद से एक प्रकार का बैल जिसके सफेद रोओं के अंदर चमड़े की ललाई झलकती हो, सोकना, सोकन।

**कैरा** वि. (तद्.) 1. कैरे के रंग का 2. जिसकी आँखें भूरी हों, कंजा।

**कैराक** पुं. (तत्.) स्थावर विष का एक भेद, जिसके अंतर्गत अफीम, कनेर, संखिया आदि आते हैं।

**कैरात** पुं. (तत्.) 1. किरात जाति 2. शबर चंदन 3. बलवान् मनुष्य 4. करैत साँप 5. एक प्रकार की चिड़िया 6. संगी. शुद्ध राग का एक भेद, किरात देश का राजा।

**कैरी** वि. (तद्.) 1. भूरे रंग की, जैसे-कैरी आँख 2. ललाई लिए सफेद रंग की, जैसे कैरी गाय।

**कैल** पुं. (तत्.) 1. खेल, क्रीडा 2. मनोविनोद।

**कैल** स्त्री. (देश.) किसी वृक्ष की नई निकली हुई लंबी पतली शाखा, कनखा।

**कैलास** पुं. (तत्.) 1. हिमालय की एक चोटी जो उत्तरी सीमा में स्थित है तथा सदा बर्फ से ढकी रहती है, यह प्रसिद्ध तीर्थ है, यह शिव और कुबेर का निवास स्थान माना जाता है 2. स्वर्ग 3. राजमहल।

**कैलासनाथ** पुं. (तत्.) शिव।

**कैलासपति** पुं. (तत्.) भगवान् शंकर का एक नाम।

**कैलासवास** पुं. (तत्.) मृत्यु 1. मरण 2. एक प्रकार का षट्कोण देवमंदिर जिसमें आठ भूमियाँ और अनेक शिखर होते हैं 3. स्वर्ग।

**कैलेंडर** पुं. (अं.) अंग्रेजी तिथिपत्र या पंचांग जिसमें महीनों, वार और तारीखों का विवरण छपा रहता है 2. सूची, फेहरिस्त, रजिस्टर।

**कैवर्त** पुं. (तत्.) ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार कैवर्त की उत्पत्ति क्षत्रिय पिता और वैश्य माता से मानी गई है, इसी से केवट शब्द की व्युत्पत्ति मानी गई है।

**कैवल्य** पुं. (तत्.) 1. शुद्धता 2. एकता 3. मुक्ति 4. एक उपनिषद् का नाम।

**कैश** पुं. (अं.) रुपया पैसा/सिक्का/नकदी वि. जिसका दाम नकद दिया गया हो।

**कैशबुक** पुं. (अं.) रोकड़ बही।

**कैशमेमो** पुं. (अं.) नकद खरीदे गए माल की रसीद।

**कैवल** पुं. (तत्.) वायविडंग।

**कैशिक** वि. (तत्.) 1. केश वाला 2. बाल के समान, केश के समान सूक्ष्म पुं. 1. केशसमूह 2. शृंगार 3. नृत्य का एक भाव जिसमें सुकुमारता से किसी की नकल की जाती है 4. प्रेम, प्रणय।

**कैशिक निषाद** पुं. (तत्.) संगीत में एक विकृत स्वर जो तीव्रनामक श्रुति से आरंभ होता है और इसमें तीन श्रुतियाँ लगती हैं।

**कैशिकी** स्त्री. (तत्.) 1. नाटक की चार वृत्तियों में से एक जो शृंगार-रस प्रधान नाटकों में होती है 2. दुर्गा।

**कैशियर** पुं. (अं.) वह कर्मचारी जिसके पास रुपया पैसा जमा रहता है, आमदनी लेने और खर्च करने वाला कर्मचारी, खजांची।

**कैशोर** पुं. (तत्.) किशोर अवस्था, बचपन, किशोर वय वि. किशोर संबंधी।

**कैशोर्य** पुं. (तत्.) बृहदारण्यक उपनिषद् में उल्लिखित एक ऋषि 2. किशोरावस्था, किशोर वय, किशोरता।